Title: Request to reinstate the School Management Committee under the Coal India Limited and payment of due salaries to the teachers.

MR. SPEAKER : Shri Prabhunath Singh to speak now.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज - बिहार) : अध्यक्ष महोदय, केल्यरी स्कूलों के शिक्षक अपनी मांगों को लेकर पिछले 20 वर्षों से संघर्षरत हैं तथा दिसम्बर, 1993 से दिल्ली में जन्तर-मन्तर पर धरने बर बैठे हुए हैं।

राष्ट्रीयकरण से पहले कोयला मजदूरों व शिक्षकों को तनख्वाह व सारी सुविधायें एक जैसी थीं, किन्तु अनुदान पर चलने वाली शिक्षा नीति में कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा शिक्षा मद का दुरुप्योग किया जा रहा है। परिणामस्वरूप कोयला शिक्षकों को बहुत ही कम तनख्वाह दी जा रही है। कोयला क्षेत्र में स्कूल शिक्षकों की हालत बंधुआ मजदूरों की तरह है, एवं वे गरीबी की रेखा से नीचे की जिन्दगी जीने को मजबूर हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है, नवम्बर, 1998 में बीसीसीएल ने अपने पत्रांक/W-IV/Edu/99/388 के माध्यम से स्कूल प्रबंधन समिति ही भंग कर दी है। परिणास्वरूप सितम्बर, 1997 से ही शिक्षकों को तनख्वाह नहीं दी गई है।

मेरा मंत्री जी से आग्रह है कि स्कूल प्रबंधन समिति पुनः बहाल किए जाने का आदेश दें, तथा शिक्षकों की तनख्वाह पर लगे प्रतिबंध को अविलम्ब समाप्त किया जाए। मंत्री जी इस मामले में अविलम्ब हस्तक्षेप कर कोल इंड्या प्रबंधन को निर्देश दें कि कोयला क्षेत्र शिक्षकों को भी सरकारी स्कूलों /केन्द्रीय स्कूलों / अन्य राज्य सरकार के शिक्षा संस्थानों तथा रेल्वे स्कूलों के शिक्षकों के बराबर वेतनमान दिया जाए।

मेरा मंत्रीजी से निवेदन है कि 20 वर्षों से चलने वाले मामले में हस्तक्षेप करें। शिक्षक धरने पर बैठे हुए हैं। मेरा सरकार से निवेदन है कि वह भुगतान के लिए आवश्यक निर्देश जारी करे।